



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 154]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 16, 1978/वैशाख 26, 1900

No. 154]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 16, 1978/VAISAKHA 26, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विस्त संज्ञालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 16 मई, 1978

सीमा-शुल्क

सं० का० वि० 288 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 79 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और यात्री सामान नियम, 1970 तथा श्रीलंका यात्री सामान नियम, 1930 को अधिष्ठांत करते हुए, ऐसे यात्रियों के (पर्यटकों से भिन्न), जो पाकिस्तान या नेपाल से भिन्न किसी देश से आते हैं; माल का निशुल्क आयात करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम यात्री सामान नियम, 1978 है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. प्रयुक्त वैयक्तिक सामान :—शरीर पर पहनने की प्रयुक्त वस्तुएं (आभूषणों को छोड़कर किन्तु पांच सौ रुपये से अधिक मूल्य की एक से अधिक कलाई-बड़ी को सम्मिलित करते हुए) और जीवन की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यात्रियों के वैयक्तिक उपयोग में की वस्तुएं निशुल्क पाम की जा सकेंगी।

3. साधारण निशुल्क मोक :—नियम 2 में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के अतिरिक्त और नियम 9 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, 12 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले यात्री को भी एक हजार रुपये मूल्य तक की वस्तुओं को निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी, यदि उचित

अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि ऐसी वस्तुएं यात्री या उसके कुटुम्ब के उपयोग के लिए या दान अथवा स्मारिक के लिए हैं;

परन्तु :—

- (i) बारह वर्ष से कम आयु के यात्री को दो सौ पचास रुपये के मूल्य तक की वस्तुएं निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी, यदि उचित अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि ऐसी वस्तुएं ऐसे यात्री के उपयोग के लिए हैं;
- (ii) ऐसे विमान-यात्री की दशा में, जो निशुल्क या रियायती टिकट पर यात्रा करता है और दस दिन से कम समय तक भारत से बाहर उड़ने के पश्चात् भारत को वापस लौटता है तो भारत के बाहर उड़ने के प्रत्येक दिन के लिए ऐसे वयस्क यात्री की दशा में केवल एक सौ रुपये या ऐसे बारह वर्ष से कम आयु वाले यात्री की दशा में केवल पच्चीस रुपये मूल्य तक की वस्तुएं निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी।

स्पष्टीकरण :— इस उपबन्ध के प्रयोजनार्थ "रियायती टिकट" से, पछहतर प्रतिशत या अधिक की रियायत देने के पश्चात् जारी किया गया टिकट, अभिप्रेत है।

4. प्रयुक्त गृहस्थी के सामान के लिए अतिरिक्त मोक :—ऐसे यात्री की दशा में, जो विदेश में अपनी वृत्ति में तीन मास से अधिक से लगा हुआ था, उसकी गृहस्थी चलाने के लिए वस्तुतः प्रयुक्त, एक हजार रुपये सकल मूल्य तक की वस्तुएं अर्थात्, लिनन, बर्तन, भोजन, पात्र रसोई साधन और आयरन, निशुल्क आयात की जा सकेंगी।

5. वृत्तिक उपकरणों के लिए मोक :—ऐसे यात्री को जो विदेश में अपनी वृत्ति में तीन मास से अधिक समय तक लगा हुआ था, पांच हजार रुपये मूल्य तक के ऐसे मुवाहक उपकरणों, औजारों, उपकरणों,

और साधनों का जो ऐसी वृत्ति में साधारणतः अपेक्षित है, निशुल्क आयात करने के लिए अनुज्ञा दी जा सकती है :

परन्तु सामान्य उपयोग की वस्तुओं जैसे कैमरा, टाइपराइटर, कैसेट रिकार्डर और डिक्टाफोन को इस नियम के अधीन निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

6. आभूषण :—किसी ऐसे यात्री के, जो एक वर्ष से अधिक समय तक विदेश में रहा है, वास्तविक उपयोग के आभूषण, पुरुष यात्री की दशा में एक हजार पांच सौ रुपये और स्त्री यात्री की दशा में तीन हजार रुपये के सकल मूल्य तक, निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकती है।

7. अकेले यात्री सामान :—(1) इन नियमों में अधिकृत शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए, उचित अधिकारी यात्री के भारत में पहुंचने के पश्चात् पहुंचने वाले, अकेले वास्तविक यात्री सामान को निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दे सकेगा यदि विदेश में यह उसके कब्जे में रहा हो और उसे भारत में यात्री के पहुंचने के एक मास के भीतर समुद्र मार्ग द्वारा नौभारित या एक पक्ष के भीतर विमान द्वारा प्रेषित कर दिया गया हो :—

परन्तु यदि, यथास्थिति, सहायक सीमा शुल्क कलक्टर या सीमा शुल्क कलक्टर का यह समाधान हो जाता है कि उस प्रयोजनार्थ सभी मुक्तिपुक्त कवम उठाने पर भी यात्री अकेले वास्तविक यात्री सामान का नौभरण या प्रेषण पूर्वोक्त अवधि के भीतर नहीं कर सका है तो सहायक सीमा शुल्क कलक्टर, यथास्थिति, एक मास की समय सीमा को तीन मास की और एकपक्ष की समय सीमा को दो मास की समय सीमा तक बढ़ा सकेगा और सीमाशुल्क कलक्टर समय सीमा को किसी भी और समय तक बढ़ा सकेगा।

(2) किसी यात्री के भारत में पहुंचने के पूर्व दो मास के भीतर किसी सीमा शुल्क केन्द्र पर उतारे गए उसके वास्तविक सामान को, इन नियमों में अधिकृत शर्तों और सीमाओं के अधीन रहते हुए उचित अधिकारी द्वारा निशुल्क आयात किए जाने की अनुज्ञा दी जा सकेगी :

परन्तु सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपने विवेकानुसार, यात्री के पहुंचने की समय सीमा को चार मास तक बढ़ा सकेगा और सीमा शुल्क कलक्टर किसी भी और समय तक के लिए बढ़ा सकेगा, यदि, यथास्थिति, उक्त सहायक कलक्टर या कलक्टर का यह समाधान हो जाता है कि यात्री दो मास की पूर्वोक्त अवधि के भीतर भारत में पहुंचने से पर्याप्त कारणों से निवारित हो गया था।

8. कर्मीदल के सदस्यों को इन नियमों का लागू होना :—नियम 2,

3, 5, 6 और 9 विदेश गामी जलयानों में नियोजित अधिकारियों और कर्मीदल के सदस्यों की बाबत उन के नियोजन की समाप्ति पर अन्तिम भुगतान के समय उसके सामान के आयात के लिए लागू होंगे :

परन्तु नियम 5 के अधीन रियायतों की अनुज्ञा किसी विदेशी गामी जलयान में प्रथम नियोजन की समाप्ति पर अन्तिम भुगतान के समय पर दी जाएगी, अन्यथा नहीं।

9. वस्तुएं जिन्हें शुल्क से छूट प्राप्त नहीं है :—नियम 3 और 4 के उपबन्धों में किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित वस्तुएं इन नियमों के अधीन निशुल्क आयात नहीं की जाएगी, अर्थात् :—

- (i) वातानुकूलित्र;
- (ii) प्रशीतित्र और हीप फ्रीज;
- (iii) कुकिंग रेंज;
- (iv) धुलाई की मशीन;
- (v) मोटर साइकिल, स्कूटर और माफ;
- (vi) टेलिविजन सेट;

(vii) इवनि रिकार्डिंग और रिप्रोड्यूसिंग वस्तुएं जैसे टेप रिकार्डर, रिकार्ड प्लेयर एम्प्लिफायर, टेलिवीजन और पूर्वोक्त वस्तुओं के किसी एक या अधिक का एक दूसरे के साथ या रेडियो के साथ कोई सम्बन्ध।

टिप्पण :— तथापि, कैसेट टेप रिकार्डर और ट्रांजिस्टर रेडियो, को, यदि वे पूर्वोक्त रूप से सम्बन्धित नहीं तो, आयात किए जाने की अनुज्ञा दी जाएगी।

(viii) चलचित्र कैमरा और चलचित्र प्रक्षेपित्र;

(ix) अग्न्यायुध;

(x) 200 से अधिक सिगरेटें या 50 से अधिक सिगार या 250 ग्राम से अधिक तम्बाकू; और

(xi) 9.95 लिटर से अधिक ऐल्कोहॉली लिटर।

[सं० 101 सीमा शुल्क/का० सं० 495/24/78 सीमाशुल्क-6]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 16th May, 1978

CUSTOMS

G.S.R. 288(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Baggage Rules, 1970 and the Ceylon Baggage Rules, 1930, the Central Government hereby makes the following rules, for importing free of duty, baggage of passengers (other than tourists) who arrive from any country other than Pakistan or Nepal namely :—

1. Short Title, Commencement :—(1) These rules may be called the Baggage Rules, 1978.

(2) They shall come into force at once.

2. Used personal effects :—The used articles of personal wear (excluding jewellery but including not more than one wrist-watch of value not exceeding five hundred rupees) and articles in personal use of passengers for satisfying daily necessities of life may be passed free of duty.

3. General free allowance :—In addition to the articles specified in rule 2 and subject to the provisions of rule 9, passenger of and above the age of twelve years may also be allowed to import free of duty articles upto a value of one thousand rupees, if the proper officer is satisfied that such articles are for the use of the passenger or his family or for making gifts or souvenirs;

Provided that—

(i) a passenger below twelve years of age may be allowed to import free of duty articles upto a value of two hundred and fifty rupees, if the proper officer is satisfied that such articles are for the use of such passenger;

(ii) In case of an air passenger who travels on a free or concessional ticket and returns to India after staying outside India for less than ten days, articles upto a value of one hundred rupees in the case of such adult passenger or twenty five rupees in the case of such passenger below eighteen years may only be allowed to be imported free of duty for each day's stay outside India.

Explanation :—For the purpose of this proviso 'concessional ticket' means a ticket issued after allowing a concession of seventy five percent or more.

4. Additional allowance for used household articles :—In the case of a passenger who was engaged in his profession abroad for over three months, articles actually used for running his household, namely, linen, utensils, table-ware, kitchen appliances and iron, upto an aggregate value of one thousand rupees may be imported free of duty.

5. Allowance for professional equipments :—A passenger who was engaged in his profession abroad for over three months be allowed to import free of duty such portable equipments, instruments, apparatus and appliances as are ordinarily required in such profession, upto a value of five thousand rupees :

Provided that items of common use like camera, type-writer, cassette recorder and dictaphone shall not be allowed to be imported free of duty under this rule.

6. Jewellery :—Jewellery in the actual use of a passenger who has been residing abroad for over one year may be allowed to be imported free of duty to the aggregate value of one thousand and five hundred rupees in the case of a male passenger and three thousand rupees in the case of a female passenger.

7. Unaccompanied baggage :—(1) Subject to the conditions and limitations laid down in these rules, the proper officer may allow import free of duty bonafide unaccompanied baggage arriving in India after the arrival of the passenger, if it was in his possession abroad and was shipped by sea within one month or despatched by air within a fortnight of the passenger's arrival in India :

Provided that if the Assistant Collector of Customs or the Collector of Customs, as the case may be, is satisfied that the passenger could not ship or despatch his bonafide unaccompanied baggage within the period aforesaid, in spite of his having taken all reasonable steps for that purpose, the Assistant Collector of Customs, may extend the time limit of one month to three months or of a fortnight to two months, as the case may be, and the Collector of Customs may extend the time limit upto any further time.

(2) Bona-fide baggage of a passenger landed at any customs station within two months before his arrival in India may be allowed to be imported free of duty by the proper officer subject to the conditions and limitations laid down in these rules :

Provided that the Assistant Collector of Customs may in his discretion, extend the time-limit for the arrival of the passenger upto four months and the Collector of Customs may extend upto any further time if the said Assistant Collector or the Collector, as the case may be, is satisfied that the passenger was prevented by sufficient cause from arriving in India within the aforesaid period of two months.

8. Application of these rules to members of the crew :—Rules 2, 3, 5, 6 and 9 shall apply in respect of officers and members of the crew engaged in a foreign-going vessel for importation of their baggage at the time of final pay off on termination of their engagement :

Provided that the concessions under rule 5 shall not be allowed except at the time of final pay off on termination of first engagement in a foreign going vessel.

9. Articles not exempted from duty :—Notwithstanding the provisions of rules 3 and 4, the following articles shall not be imported free of duty under these rules, namely :—

- (i) air conditioners;
- (ii) refrigerators and deep freezers;
- (iii) cooking range;
- (iv) washing machine;
- (v) motor cycle; Scooter and Moped;
- (vi) television set;
- (vii) sound recording and reproducing articles like tape recorder, record player, amplifier, television and any combination of any one or more of the aforesaid items either with one another or with a radio.

Note :—Cassette tape recorder and transistor radio will however be allowed to be imported if they are not in combination as aforesaid.

- (viii) movie camera and movie projector;
- (ix) fire arm;
- (x) cigarettes exceeding 200 or cigars exceeding 50 or tobacco exceeding 250 gms; and
- (xi) alcoholic liquor in excess of 0.95 litre.

[No. 101 Cus./F. No. 495/24/78-Cus. VI]

सीमा-शुल्क

सा० का० वि० 289 —(अ) केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क, अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 79 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पर्यटक यात्री सामान नियम, 1958 को प्रतिष्ठित करते हुए, पर्यटकों के यात्री सामान का निशुल्क आयात करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पर्यटक यात्री सामान नियम, 1978 है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

(3) ये पाकिस्तान या नेपाल से आने वाले क्रमशः पाकिस्तान और नेपाली मूल के पर्यटकों को लागू नहीं होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो "पर्यटक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो सामान्यतया भारत में निवासी नहीं है और जो पर्यटन, आनन्द-प्रमोद, स्पोर्ट्स, स्वास्थ्य, कौटुम्बिक हेतु, अध्ययन आदिक तीर्थ यात्रा या कारबार जैसे विधिसम्मत अनाप्रवासी प्रयोजनों के लिए किसी बारह मास की अवधि के दौरान छह मास अवधिक अवधि के लिए ठहरने के लिए भारत में प्रवेश करता है ;

परन्तु जहाँ सीमाशुल्क कलक्टर का यह समाधान हो जाता है कि किसी पर्यटक के लिए उसके ठहरने की अवधि को विधिसम्मत अनाप्रवासी प्रयोजनों के लिए छह मास से आगे बढ़ाना आवश्यक है तो कलक्टर ऐसी अवधि को छह मास की और अवधि द्वारा बढ़ा सकेगा :

परन्तु यह और कि यदि बोर्ड का इस प्रकार समाधान हो जाता है तो वह पूर्वोक्त अवधि को बारह मास से आगे बढ़ा सकेगा।

3. अस्थायी रूप से आयातित वैयक्तिक सामान के लिए शुल्क से छूट:—(1) इन नियमों में अधिकृत अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए किसी पर्यटक को वैयक्तिक सामान की अस्थायी रूप से निशुल्क आयात किए जाने की अनुज्ञा दी जाएगी।

परन्तु यह तब जब कि ये पर्यटक के वैयक्तिक प्रयोग के लिए हों, वे पर्यटक के शरीर पर या उसके साथ जाने वाली सामान में न जाएं, जाते हैं, उनके बारे में यह भय करने का कोई कारण नहीं है। कि उनका दुरुपयोग होगा और ऐसे वैयक्तिक सामान का, जिनके अन्तर्गत ऐसा सामान नहीं है जिसका उसके ठहरने के दौरान उपयोग किया जाता है किसी विशेषी गंतव्यस्थान के लिए उसके भारत छोड़ने पर पर्यटक द्वारा पुनः निर्यात किया जाता है।

स्पष्टीकरण:—“वैयक्तिक सामान” पद से नए या प्रयोग किए गए सभी ऐसे कपड़े और अन्य वस्तुएं अभिप्रेत हैं जिनकी किसी पर्यटक को उसकी यात्रा की सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए वैयक्तिक या व्यक्तिगत रूप से आवश्यकता हो सकती है किन्तु उनके अन्तर्गत वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए आयातित सभी वाणिज्या नहीं हैं और उनके अन्तर्गत निम्नलिखित आते हैं, अर्थात्:—

- (i) शरीरक आवरण;
- (ii) बारह जूट और फिल्म की पांच रोल सहित एक कैमरा;
- (iii) फिल्म की दो रोल सहित एक लघु चलचित्र कैमरा
- (iv) बाइनाक्युलर का एक जोड़ा;

- (v) एक सुबाह्य संगीत बाद्य;
- (vi) दस रिकार्ड सहित एक सुबाह्य ग्रामोफोन;
- (vii) एक सुबाह्य बेतार अभिग्राही सेट;
- (viii) एक सुबाह्य ध्वनि रिकार्डिंग साधन;
- (ix) एक सुबाह्य टाइप राइटर;
- (x) एक पैराम्बुलेटर;
- (xi) कैम्प के लिए एक तम्बू और अन्य उपस्कर;
- (xii) स्पोर्ट्स उपस्कर जैसे एक मस्सिन उपकरण, पचास कारतूसों सहित एक स्पोर्टिंग अग्निबाधक, एक शक्ति से न चलने वाली भारीसाइकिल 5½ मीटर से कम लम्बी एक कानू या काइऐक, स्कीज का एक जोड़ा दो टैन्स रोकैट

(2) नियम 7 के अनुसार भारत के पर्यटक के प्रस्थान करने पर निम्नलिखित सामान के लिए पर्यटक द्वारा लिखित वचनबद्ध किए जाने पर वे निशुल्क आयात की जा सकेंगी अर्थात्—

- (1) वृष्य—श्रव्य सहाय जिनके अन्तर्गत निवर्धन और शिक्षण के प्रयोजन के लिए स्वाइड और फिल्म भी है ;
- (2) वृत्तिक उपस्कर, उपकरण, साधन या एप्लाइसेज जिनके अन्तर्गत चलचित्र उपस्कर और टेलीविजन उपस्कर भी हैं ।

4. अस्थायी रूप से आयातित यात्रा स्मारिकाओं के लिए शुल्क से छूट:—नियम 3 में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के अतिरिक्त किसी पर्यटक की यात्रा स्मारिकाएं जिनका कुल मूल्य पांच सौ रुपये से अधिक नहीं होगा अस्थायी रूप से निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी ।

परन्तु यह तब जब कि ऐसी स्मारिकाएं पर्यटक के शरीर पर या उसके साथ बाने यात्री सामान में ले जाई जाती है वे वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए आयातित नहीं है और उनका किसी विदेशी गंतव्य स्थान के लिए उसके भारत छोड़ने पर पर्यटक द्वारा पुनः निर्यात किया जाता है ?

5. विदेशी मूल के पर्यटकों द्वारा आयातित दान आदि पर शुल्क से छूट:—नियम 3 और 4 के अधीन अनुज्ञात वस्तुओं के अतिरिक्त विदेशी मूल के किसी पर्यटक की जो भारत में चौबीस घंटे से अधिक ठहरता है, यात्री सामान नियम, 1978 के नियम 9 में उल्लिखित वस्तुओं से भिन्न पांच सौ रुपये मूल्य तक की वस्तुओं का, यदि ऐसी वस्तुएं वैयक्तिक प्रयोग के लिए या दान देने के लिए आयातित है तो, उचित अधिकारी के विवेक पर, निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी ।

6. भारतीय मूल के पर्यटकों द्वारा आयातित दान आदि पर सीमाशुल्क से छूट:—भारतीय मूल के पर्यटकों को जो सामान्यतया विदेश में निवासी है और भारत में चौबीस घंटे से अधिक ठहरते हैं, दान के रूप में दिए जाने के लिए आयातित वस्तुओं का उचित अधिकारी के विवेक पर निशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी ।

परन्तु वस्तुएं ऐसी हों जो यात्री सामान नियम, 1978 के नियम 9 के साथ पठित नियम 3 के अन्तर्गत आती हैं ।

परन्तु यह और कि यात्री सामान नियम 1978 के नियम 3 और 9 में उल्लिखित सभी शर्तें और निवर्धन पूरे कर दिए जाएं ।

7. कुछ मामलों में सीमाशुल्क प्राधिकारियों को दिया जाने वाला वचनबद्ध:—(1) नियम 3 के उपनियम (1) के उपबन्धों में किसी बात के होते हुए भी, ध्वनि रिकार्डिंग साधन; बेतार अभिग्राही सेट और उसी प्रकार के उच्च मूल्य की वस्तुओं को निशुल्क आयात करने की तब तक अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जब तक पर्यटक उचित अधिकारी को लिखित में ये वचनबद्ध नहीं देता है कि वह किसी विदेशी गंतव्य स्थान के लिए उसके भारत छोड़ने पर उन वस्तुओं का भारत के बाहर पुनः निर्यात करेगा या उसके उन वस्तुओं को पुनः निर्यात करने में असफल रहने पर उन पर उद्घाटनीय शुल्क का संवाय करेगा ।

(2) प्रत्येक पर्यटक को उसके आगमन पर और उसके यात्री सामान की परीक्षा करने के पश्चात् उसके द्वारा लाई गई उच्च मूल्य की वस्तुओं की उचित अधिकारी द्वारा जो उसके यात्री सामान की परीक्षा करता है, हस्ताक्षरित एक सूची दी जाएगी । यदि उच्च मूल्य की किसी ऐसी वस्तु का आयात नहीं किया जाता है तो उसी प्रकार हस्ताक्षरित एक ऐसी सूची दी जाएगी जिस पर शून्य लिखा हो । जब तक पर्यटक द्वारा विदेशीगंतव्य स्थान के लिए उस सूची में सूचीबद्ध वस्तुओं यदि कोई हों, साथ भारत में उनके प्रस्थान करने पर उसके यात्री सामान की परीक्षा करने के समय उचित अधिकारी को सूची नहीं दी जाती है तब तक उसके यात्री सामान को निर्यात के लिए सीमाशुल्क के निकासी की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

धकेले यात्री सामान के संबंध में उपबन्ध—पूर्वगामी नियमों में किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, वास्तविक यात्री सामान और ऐसी माल जो पूर्वगामी उपबन्धों के अधीन रियायतों के लिए प्राप्त है और जो भारत में पर्यटक के आगमन के पूर्व या पश्चात् एक मास के भीतर किसी सीमाशुल्क पत्तन पर उतारा जाता है ऐसी शर्तों के अधीन रहने हुए पास किया जा सकेगा जो किसी पर्यटक के साथ बाने माल को लागू होता है;

परन्तु यह तब जब कि उचित अधिकारी का यह समाधान हो जाए कि वह सद्भाविक कारणों की वजह से पर्यटक के साथ नहीं लाया जा सकता था ।

9. कुछ मामलों में छूट से इकार—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी उचित अधिकारी इन नियमों के अधीन दी गई छूट से किसी पर्यटक को निम्नलिखित किसी दशा में इकार कर सकेगा अर्थात्—

- (क) जतू किसी पर्यटक द्वारा आयातित वस्तु की कुल मात्रा इन नियमों की अधिकाधिक सीमा में बहुत अधिक है ;
- (ख) जब पर्यटक किसी एक मास में भारत में एक बार से अधिक प्रवेश करता है ।
- (ग) जब पर्यटक 17 वर्ष से कम आयु का है ।

[सं० 102-सीमा-शुल्क/फा० सं 499/6/78-सीमाशुल्क 6]

CUSTOMS

G.S.R. 289(E).—In exercise of the powers conferred by sub section (2) of section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Tourist Baggage Rules, 1958, the Central Government hereby makes the following rules for importing free of duty, baggage of tourist, namely :—

1. Short title, Commencement and Application :—(1) These rules may be called the Tourist Baggage Rules, 1978.

(2) They shall come into force at once.

(3) They shall not apply to tourists of Pakistani and Nepali origin arriving from Pakistan or Nepal respectively.

2. Definition :—In these rules, unless the context otherwise requires, 'tourist' means any person not normally resident in India, who enters India for a stay of not more than six months in the course of any twelve months period, for legitimate non-immigrant purposes, such as touring, recreation, sports, health, family reasons, study, religious pilgrimages or business :

Provided, that where the Collector of Customs is satisfied that it is necessary for a tourist to extend his stay beyond six months for legitimate non-immigrant purposes, the Collector may extend the period by a further period of six months ;

Provided further that if the Board is so satisfied, it may extend the aforesaid period beyond 12 months.

3. Exemption from Duty for Personal effects Imported Temporarily :—(1) Subject to other conditions laid down in these Rules, the personal effects of a tourist shall be allowed to be imported temporarily free of duty :

Provided that they are for the personal use of the tourist, are carried on the person or in the baggage accompanying the tourist, that there is no reason to fear abuse and that these personal effects, other than those consumed during his stay, are re-exported by the tourist on his leaving India for a foreign destination.

Explanation :—The term 'personal effects' means all clothings and other articles, new or used, which a tourist may personally and reasonably require taking into account all the circumstances of his visit but excluding all merchandise imported for commercial purposes and includes—

- (i) personal jewellery;
- (ii) one camera with twelve plates or five rolls of film;
- (iii) one miniature cinematograph camera with two reels of films;
- (iv) one pair of binoculars;
- (v) one portable musical instrument;
- (vi) one portable gramophone with ten records;
- (vii) one portable wireless receiving set;
- (viii) one portable sound-recording apparatus;
- (ix) one portable typewriter;
- (x) one perambulator
- (xi) one tent and other camping equipments
- (xii) sports equipment such as one fishing outfit, one sporting fire-arm with fifty cartridges, one non-powered bicycle, one canoe or kayak less than 5½ metres long, one pair of skis, two tennis rackets.

(2) The following may be imported free of duty on the tourist giving a written undertaking in terms of rule 7 for their re-export on his departure from India, namely :—

- (i) audio visual aids including slides and films for demonstration and instructional purpose;
- (ii) professional equipments, instruments, apparatus or appliances including cineequipments and Television equipments.

4. Exemption from Duty for Travel Souvenirs Imported Temporarily :—In addition to the articles specified in rule 3, a tourist may also be allowed to import temporarily free of duty, travel souvenirs for a total value not exceeding five hundred rupees :

Provided that such souvenirs are carried on the person of or in the baggage accompanying the tourists, are not intended for commercial purposes and are re-exported by the tourist on his leaving India for a foreign destination.

5. Exemption from Duty on Gifts etc. Imported by Tourists of Foreign Origin :—In addition to articles allowed under rules 3 and 4, a tourist of foreign origin staying in India for more than 24 hours may also be allowed to import free of duty, at the discretion of the proper officer, articles other than those mentioned in rule 9 of Baggage Rules, 1978, upto a value of five hundred rupees if these are intended for personal use or for making gifts.

6. Exemption from Customs Duty on Gifts etc. Imported by Tourists of Indian Origin :—Tourists of Indian origin, who are normally residents abroad and are staying in India for more than 24 hours may be allowed to import free of duty,

at the discretion of the proper officer, articles intended to be given away as gifts :

Provided that the articles are such as are covered by rule 3 read with rule 9 of the Baggage Rules, 1978 :

Provided further that all the conditions and limitations mentioned in rules 3 and 9 of the Baggage Rules, 1978 are satisfied.

7. Undertaking to be given to Customs Authorities in certain cases :—(1) Notwithstanding the provisions of sub-rule (1) of rule 3, articles of high value such as sound-recording apparatus, wireless receiving sets, and the like shall not be allowed to be imported free of duty unless the tourist gives an undertaking in writing to the proper officer to re-export them out of India on his leaving India for a foreign destination, or, on his failure to re-export to pay the duty leviable thereon.

2. Every tourist shall be given on arrival and after examination of his baggage, a list of articles of high value brought by him signed by the proper officer who examines his baggage. If no such articles of high value is imported, a nil list, similarly signed shall be given. Unless the list is produced by the tourist to the proper officer at the time of examination of his baggage on his departure from India for a foreign destination alongwith the articles, if any listed therein, his baggage may not be allowed clearance through the Customs for export.

8. Provision Regarding Unaccompanied Baggage :—Notwithstanding anything to the contrary in the foregoing rules, bona fide baggage and goods eligible for the concessions under the foregoing provisions and landed at any customs port within one month before or after the arrival of the tourist in India may be passed subject to the conditions applicable to baggage accompanying a tourist :

Provided that the proper officer is satisfied that they could not be brought alongwith the tourist due to bona fide reasons.

9. Refusal of Exemption in certain cases :—Notwithstanding anything contained in these rules, the proper officer may refuse to a tourist exemption granted by these rules in any of the following cases namely :—

- (a) when the total quantity of a commodity imported by a tourist exceeds substantially the limit laid down in these rules;
- (b) where the tourist enters into India more than once in a month.
- (c) where the tourist is under seventeen years of age.

[No. 102/Cus./F. No. 499/6/78-Cus. VI]

सीमा शुल्क

ला०का०मि०—290 (अ)—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और निवास-स्थान स्थानान्तरण नियम, 1969 को अधिष्ठात करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम निवास-स्थान स्थानान्तरण नियम, 1978 है।

2. कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए वैयक्तिक और गृहस्थी के सामान को शुल्क से छूट :—सामान (छूट की शर्त) नियम, 1975 और इन नियमों के नियम 3 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, भारत में निवास-स्थान के वास्तविक स्थानान्तरण पर किसी व्यक्ति के वैयक्तिक

और गृहस्थी के सामान को, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, शुल्क से छूट प्राप्त होगी, अर्थात्:—

- (क) ऐसा व्यक्ति निवास-स्थान के स्थानांतरण के ठीक पूर्ववर्ती न्यूनतम दो वर्ष की अवधि से विदेश में वास कर रहा है और एक वर्ष के न्यूनतम ठहराव के लिए भारत में अपना निवास-स्थान स्थानान्तरित कर रहा है ;
- (ख) ऐसा व्यक्ति घोषणा द्वारा यह अभिप्रेष्ट करता है कि माल न्यूनतम एक वर्ष की अवधि तक उसके या उसके कटुम्ब के कब्जे और उपयोग में रहा है तथा माल की परीक्षा और अनुवर्ती परिस्थितियों से इसके प्रतिकूल उपरजित नहीं होता है ;
- (ग) यात्री के साथ न आने वाला माल, यात्री सामान नियम, 1978 में विनिर्दिष्ट समय-सीमाओं के भीतर नौभारित या प्रेषित कर दिया गया था या पहुँच गया था ।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनार्थ “वैयक्तिक और गृहस्थी का सामान” पद में उतने स्वर्णभूषण, अर्थात् ऐसे आभूषण, जिनका मूल्य मुख्यतः स्वर्ण अंग के कारण है, सम्मिलित नहीं है, जिसने किसी पुरुष यात्री की दशा में एक हजार पाँच सौ रुपए और किसी स्त्री यात्री की दशा में तीन हजार रुपए के मूल्य से अधिक है ।

3. वस्तुएं, जो छूट प्राप्त नहीं हैं:—नियम 2 में किसी बात के होते हुए भी, मोटर यानों, जलयानों, वायुयानों, 35 मि० मी० और उससे अधिक की जलचित्र फिल्मों, वातानुकूलित्रों, प्रणीतियों और जीप मोर्जों को इन नियमों के अधीन निशुल्क आयात किए जाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी ।

4. वृत्तिक उपस्कर आदि के लिए मोक:—नियम 2 के अधीन अनुज्ञात वस्तुओं के अतिरिक्त, न्यूनतम दो वर्ष की अवधि तक विदेश में ठहरने के पश्चात् स्थायी वास के लिए भारत में लौटने वाले प्रति अहित वैज्ञानिक, शिल्प वैज्ञानिक, डाक्टर या इंजीनियर को तीस हजार रुपए मूल्य तक के ऐसे उपस्करों, औजारों, उपकरणों, और साधनों को भी, जो उसकी वृत्ति में उसके द्वारा सामान्यतः अपेक्षित हो, निःशुल्क आयात करने के लिए अनुज्ञा दी जा सकती है ।

स्पष्टीकरण:—इस नियम के प्रयोजनार्थ, “प्रति अहित वैज्ञानिक, शिल्प वैज्ञानिक, डाक्टर या इंजीनियर” वह व्यक्ति है, जिसके पास किसी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय से, यथास्थिति, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, औषधया इंजीनियरी में स्नातकोत्तर उपाधि या समतुल्य हो और जो कम से कम एक वर्ष से, विशेषज्ञता के अपने क्षेत्र में, विदेश में नियोजित या कार्यरत रहा हो ।

अल्पकालिक आगमन की शर्त:—इन नियमों के प्रयोजनार्थ पूर्वोक्त 2 वर्ष की अवधि के दौरान सम्बद्ध व्यक्ति द्वारा किए गए भारत के अल्पकालिक आगमनों की, यदि कोई हो, उपेक्षा कर दी जाएगी, यदि इन आगमनों पर ठहराव की कुल अवधि छह माह से अधिक न हो ;

परन्तु सम्बद्ध व्यक्ति द्वारा पर्याप्त हेतुक वसित किए जाने पर, सीमा-शुल्क कलक्टर छह मास से अधिक भारत में ठहराव की अवधि को माफ कर सकेगा ।

6. विदेश में ठहराव की अवधि में कमी को माफ करना:—इन नियमों के प्रयोजनार्थ, किसी व्यक्ति के विदेश-ठहराव में दो मास की अवधि तक की कमी को सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर माफ कर सकेगा, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि व्यक्ति की भारत को पूर्व वापसी, उसके द्वारा सेवान्त छुट्टी या अवकाश के उपयोग के कारण या किसी अन्य विशेष परिस्थितियों के कारण हुई है ।

[सं० 103 सीमा शुल्क/फा० सं० 497/6/78-सीमाशुल्क-6]

CUSTOMS

G.S.R. 290(E).—In exercise of the powers conferred by section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Transfer of Residence Rules, 1969, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title.—These Rules may be called the Transfer of Residence Rules, 1978.

2. Personal and Household effects exempt from duty subject to certain conditions.—Subject to the provisions of the Baggage (Condition of Exemption) Rules, 1975 and rule 3 of these rules the personal and household effects, of a person on a *bona fide* transfer of residence to India, shall be exempted from duty subject to the following conditions, namely:—

- (a) such person has been residing abroad for a minimum period of two years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year ;
- (b) such person affirms by a declaration that the goods have been in his or his family's possession and use abroad for a minimum period of one year and the examination of the goods and the attendant circumstances do not indicate to the contrary ;
- (c) the goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the time limits specified in the Baggage Rules, 1978.

Explanation.—For the purpose of this rule, the expression “personal and household effects” shall not include so much of good jewellery, that is to say, jewellery of which the value is mainly on account of gold content, as is in excess of the value of one thousand five hundred rupees in the case of a male passenger and three thousand rupees in the case of a female passenger.

3. Articles not exempted from duty.—Notwithstanding anything contained in rule 2, motor vehicles, vessels aircrafts, cinematograph films of 35 mm. and above, air-conditioners, refrigerators and deep freezers, shall not be allowed to be imported free of duty under these rules.

4. Allowance for Professional Equipment Etc.—In addition to articles allowed under rule 2, a highly qualified scientist, technologist, doctor or engineer, returning to India for permanent settlement after a stay abroad for a minimum period of two years, may also be allowed to import free of duty such equipment, instruments, apparatus and appliances, upto a value of thirty thousand rupees as are ordinarily required by him in his profession.

Explanation.—For the purpose of this rule, “a highly qualified scientist, technologist, doctor or engineer” is a person who holds a post-graduate degree or its equivalent in science, technology, medicine or engineering, as the case may be, from an Indian or foreign university and has been employed or engaged abroad in his field of specialisation for at least one year.

5. Condonation of short visits.—For the purpose of these rules, short visits, if any, made by the person concerned to India during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on these visits does not exceed six months:—

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned, the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months.

6. Condonation of shortfall in the period of stay abroad.—For the purpose of these rules, shortfall upto a period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs if he is satisfied that the person's early return to India had been caused by his availing of the terminal leave or a vacation or by any other special circumstances.

[No. 103-Cus./F. No. 497/6/78-Cus. VI]

सीमा-शुल्क

सांकांनि० 291 (अ)---केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 317-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976 को अधिकांत करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं० 100.01 के अन्तर्गत आने वाले, वातानुकूलित, प्रशीतित्रों और डीप फ्रीजों से भिन्न माल को, जब किसी यात्री या कर्मीदल के किसी सदस्य द्वारा समान के रूप में भारत में उसका आयात किया जाए, उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से छूट देती है।

[सं० 104-सीमा शुल्क का० सं० 499/59/76-सीमा शुल्क-6]

CUSTOMS

G.S.R. 291(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India, in the Department of Revenue and Banking No. 317-Customs, dated, the 2nd August, 1976, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods falling under Heading No. 100.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), other than air-conditioners, refrigerators and deep freezers, when imported into India by a passenger or a member of the crew as baggage from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act.

[No. 104—Cus./F. No. 499/59/76-Cus. VI]

सीमा-शुल्क

सांकांनि० 292(अ) : केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, वातानुकूलित, प्रशीतित्रों और डीप फ्रीजों को, जब किसी व्यक्ति द्वारा उनका आयात भारत में उसके निवास स्थान के वास्तविक स्थानान्तरण पर उसके सामान के भाग के रूप में किया जाता है :—

(क) उन पर उद्ग्रहणीय उस सम्पूर्ण सीमा-शुल्क से, जो सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, और

(ख) उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के आधे से

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

(i) ऐसा व्यक्ति निवास स्थान के स्थानान्तरण के ठीक पूर्ववर्ती न्यूनतम 2 वर्षों की अवधि से विदेश में वास कर रहा है और एक वर्ष के न्यूनतम ठहराव के लिए भारत में अपना निवास स्थान स्थानान्तरित कर रहा है ;

(ii) ऐसा व्यक्ति घोषणा द्वारा यह अभिप्रेष्ट करता है कि माल न्यूनतम एक वर्ष की अवधि तक उसके या उसके कुटुम्ब के कब्जे और उपयोग में रहा है तथा माल की परीक्षा और अनुवर्ती परिस्थितियों से इसके प्रतिकूल उपदर्शित नहीं होता है ;

(iii) ऐसे माल का विक्रय, संप्रदान या विज्ञापन या उसे विक्रय के लिए प्रस्तुत तब तक नहीं किया जाएगा जब तक उसकी बाजार कीमत में, उस बाजार कीमत के, जब वह माल नया था, 50 प्रतिशत से कम अवक्षयण न हो गया हो, और

(iv) यात्री के साथ न आने वाला माल, यात्री सामान नियम 1978 में विनिर्दिष्ट समय-सीमाओं के भीतर नौभारित या प्रेषित कर दिया गया था या पहुंच गया था।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए :—

(क) संबद्ध व्यक्ति द्वारा पूर्वोक्त 2 वर्ष की अवधि के दौरान भारत में किए गए अल्पकालिक आगमनों की, यदि कोई हो, उपेक्षा कर दी जाएगी यदि इन आगमनों पर ठहराव की कुल अवधि छह मास से अधिक नहीं है ;

परन्तु संबद्ध व्यक्ति द्वारा पर्याप्त हेतुक वशित किए जाने पर सीमाशुल्क कलक्टर भारत में छह मास से अधिक के ठहराव की अवधि को माफ कर सकेगा ;

(ख) विदेश में किसी व्यक्ति के ठहराव में दो मास तक की अवधि की कमी को महायुक्त सीमा शुल्क कलक्टर माफ कर सकेगा, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि व्यक्ति की भारत को समय पूर्व वापसी उसके द्वारा सेवान्त छुट्टी या अवकाश के उपयोग के कारण या किसी अन्य विशेष परिस्थितियों के कारण है।

[सं० 105-सीमा शुल्क का० सं० 499/59/76-सीमा-शुल्क-6]

G.S.R. 292(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts air-conditioners, refrigerators and deep freezers when imported by any person as part of his baggage, on a bona-fide transfer of residence to India, from—

(a) the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975); and

(b) one-half of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions namely—

(i) such person has been residing abroad for a minimum period of 2 years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year ;

(ii) such person affirms by a declaration that goods have been in his or his family's possession and use for a minimum period of one year and examination of the goods and attendant circumstances do not indicate to the contrary ;

(iii) such goods shall not be sold, displayed or advertised or offered for sale until their market price has depreciated to less than 50 per cent of the market price when new ; and

(iv) the goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the time limits specified in the Baggage Rules, 1978.

Explanation.—For the purposes of this notification—

(a) short visits, if any made by the person concerned to India during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on these visits does not exceed six months ;

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned, the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months ;

(b) shortfall upto a period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs if he is satisfied that the person's early return to India had been caused by his availing of the terminal leave or vacation or by any other special circumstances.

[No. 105 Cus/F. No. 499/59/76-Cus. VI]

सीमा शुल्क

सांख्यिकी 293 (अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1978 (1978 का) की धारा 35 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 96 सीमाशुल्क, तारीख 12 मई, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में,

क्रम सं० 192 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"193 सं० 101—सीमा शुल्क, तारीख 16 मई, 1978

194 सं० 102—सीमा शुल्क, तारीख 16 मई, 1978

195 सं० 103—सीमा शुल्क, तारीख 16 मई, 1978

196 सं० 105—सीमा शुल्क तारीख 16 मई, 1978

[सं० 106—सीमा शुल्क का सं० 499/59/76—सीमा शुल्क-6]

मानन्द बोर्डिया, अवर सचिव

CUSTOMS

G.S.R. 293(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1978 (19 of 1978), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 96-Customs dated the 12th May, 1978, namely :—

"In the Schedule to the said notification, after Serial No. 192 and entries relating thereto," the following Serial No. and entries shall be inserted, namely :—

"193 No. 101-Customs, dated the 16th May, 1978,

194 No. 102-Customs, dated the 16th May, 1978,

195 No. 103-Customs, dated the 16th May, 1978,

196 No. 105-Customs, dated the 16th May, 1978".

[No. 106-Customs/F. No. 499/59/76-Cus. VI]

A. BORDIA, Under Secy.